DR. MURLI MANOHAR JOSHI: We want to have an assurance from the hon. Prime Minister. ...*(Interruptions)*...

'तिब्बत के ऊपरी इलाकों में बर्फ का पिघलना'

*244. **श्री जनेश्वर मिश्र:††**
श्री बृज भूषण तिवारी:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि तिब्बत के ऊपरी इलाके में तेजी से बर्फ के पिघलने, हिम नदियों के सिमटने, घास के पीला पड़ने एवं नदियों के सूखते जाने से पर्यावरण को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभावों के बारे में कोई अध्ययन कराया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नमो नारायन मीणा): (क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रखा है।

(क) इन्टरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की अप्रैल, 2007 में प्रकाशित वर्किंग ग्रुप-II रिपोर्ट के अनुसार, हिमालय के हिमनद विश्व के अन्य किसी भाग की अपेक्षा ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के अग्रणी वैज्ञानिकों के अनुसार, तिब्बत पठार के हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं। हिमनदों के पिघलने से अन्ततः और अधिक सूखा पड़ेगा, मरुस्थलीकरण का विस्तार और धूल भरे तूफानों में वृद्धि होगी। बर्फ के पिघलने से जल आपूर्ति में भी बाधा पहुचनें का खतरा है, क्योंकि कई नदियां हिमालय से निकलती हैं।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Melting of ice in upper region of Tibet

*244. SHRI JANESHWAR MISHRA:††
SHRI BRIJ BHUSHAN TIWARI:

Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether it is a fact that rapid melting of ice in upper region of Tibet, shrinking of glaciers, grass turning yellow and drying of rivers have posed a serious danger to the environment;

(b) if so, whether Government have conducted any study with regard to its adverse effect on the country; and

---

††सभा में यह प्रश्न श्री जनेश्वर मिश्र द्वारा पूछा गया।

†† The question was actually asked on the floor of the House by [Shri Janeshwar Mishra].

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI NAMO NARAIN MEENA): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

(a) According to the Working Group-II Report of the Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC) released in April, 2007, the Himalayan Glaciers are receding faster than any part of the world. According to leading scientists from the Chinese Academy of Sciences, there is rapid melting of the glaciers of the Tibetan Plateau. The melting of glaciers will ultimate trigger more droughts, expand desertification and increase sand storms. Melting also threatens disruption of water supply, as many rivers emanate from the Himalayas.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Why is the Ganga so polluted? ...*(Interruptions)*... यह क्या हो रहा है ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: May I request the hon. Member to sit down and allow the supplementaries to proceed? ...*(Interruptions)*... Please let the supplementary procced.

श्री जनेश्वर मिश्र: सभापति जी, हमने जो सवाल पूछा है, जोशी जी गंगा के बारे में बहुत चिंतित हैं कि हमको खतरा है कि थोड़े दिनों के बाद गंगा बहेगी ही नहीं।

श्री सभापति: आप अपना सप्लीमेंटरी पूछिए।

श्री जनेश्वर मिश्र: मैं उसी पर आ रहा हूं। हमको खतरा है कि थोड़े दिनों के बाद गंगा नहीं बहेगी, क्योंकि तिब्बत से जिस तरह ग्लेशियर्स पिघल रहे हैं, गरम हो रहे हैं, गंगा का पानी आएगा या नहीं ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप अपना सप्लीमेंटरी पूछिए।

श्री जनेश्वर मिश्र: हां, मैं पूछ रहा हूं। मंत्री जी ने यह जो जवाब दिया है, इसमें पहले तो उन्होंने कहा है कि Chinese Academy of Sciences के कुछ वैज्ञानिकों ने यह कहा है कि तिब्बत के पठार के ग्लेशियर्स गल रहे हैं और उससे बहने वाले पानी यानी गंगा-जमुना वगैरह को खतरा होगा, वहां पर रेगिस्तान आएगा, वहां सूखा पड़ेगा, वहां गरमी होगी। हमने सवाल के (ख) भाग में यह पूछा था कि आप भी इसकी कोई जांच करा रहे हैं या चीन के वैज्ञानिक ही कर रहे हैं, तो इन्होंने कह दिया कि हम जांच नहीं करा रहे हैं। हमने कहा कि अगर कोई जांच कराई है, तो उसकी रिपोर्ट क्या है, तो इन्होंने कह दिया कि question does not arise. हम समझते हैं कि एक तरह से देश तबाह होने जा रहा है। जिस गंगा नदी के नाम पर जोशी जी ने इतना * हमको खतरा इस बात का है कि आने वाला हिंदुस्तान सूखाग्रस्त और तबाह हिंदुस्तान होगा और भारत की सरकार इतनी लापरवाही से इस पर जवाब दे, आखिर क्यों, क्या चीन

* Expunges as ordered by the Chair.

के डर से? क्या चीन के डर के मारे आपने जांच नहीं कराई? क्या आपको मालूम नहीं था कि एवरेस्ट की चोटी तक चीन अपनी एक सड़क बना रहा है।

श्री सभापति: आप अपना सवाल पूछ लीजिए।

श्री जनेश्वर मिश्र: मैं सवाल पर ही आ रहा हूं। क्या आप यह जांच नहीं कर सकते थे कि उससे ग्लेशियर्स पर असर पड़ेगा, वहां की जलवायु पर असर पड़ेगा? यह जवाहर लाल नेहरू के ज़माने का करार है, आपके अमरीका के साथ एटम वाला करार नहीं है ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Let the hon. Prime Minister answer.

DR. MANMOHAN SINGH: Sir, the hon. Member has raised a very important issue. It is beyond doubt that if the glacier system in Tibet or the Indus water system starts melting or shrinking, it will have catastrophic effects on all countries. And it is precisely because of the linkages between the water systems in India and Tibet that I had myself raised this issue with President Hu Jintao and it had been agreed between the two countries that technical studies should take place to understand the dynamics of water flows between the two countries.

श्री जनेश्वर मिश्र: सभापति जी, हिमाचल प्रदेश में इस समय वैज्ञानिकों का एक सम्मेलन हो रहा है, वहां से यह रिपोर्ट आई है तिब्बत के ग्लेशियर्स के पिघलाव के बारे में कि इस नदी के अंत तक भारत का तापमान 7 से लेकर 10 डिग्री तक बढ़ जाएगा। उस गरमी की जरा आप कल्पना कर लीजिए, यानी मौसम बिल्कुल बदलने जा रहा है और पता नहीं हम लोग सो रहे हैं या क्या कर रहे हैं या किस दबाव में काम कर रहे हैं। यह सच है कि आपके पुरखों ने तिब्बत को चीन के हाथों लिख दिया, हमारे पुरखों ने विरोध किया, लेकिन अब जो हो रहा है, उसमें कैसे adjust करके चला जाए कि हमारी तबाही न हो। वह भी हमारा मित्र देश है, उससे हमें बात करनी चाहिए। क्या आपने कभी प्रयास किया Chinese Government से बात करने के लिए कि तुम्हारी ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप सवाल पूछिए ...**(व्यवधान)**...

श्री जनेश्वर मिश्र: उधर नेपाल की नदियां बहकर हिंदुस्तान में आती हैं और आप बांध बनाना चाहते हैं, अभी तक नहीं बना पाए, क्योंकि नेपाल डरता है कि हम डूब जाएंगे ...**(व्यवधान)**... हम जानते हैं कि दो देशों के बीच में जो रिश्ते बना करते हैं, उनमें कितनी दिक्कतें आती हैं, सदन में * हम लोग एक-दूसरे की भावना को न दबाएं। तो इस बारे में क्या मीटिंग हुई, उसके क्या नतीजे निकल रहे हैं, यह हिंदुस्तान की बेचैनी का सवाल है, इसलिए हम इसके बारे में जानना चाहते हैं।

SHRI NAMO NARAIN MEENA: Sir, the hon. Prime Minister has already replied.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

---

* Expunges as ordered by the Chair.